विषय सूची :

- मुख्य कार्यपालन अधिकारी का संदेश
- वर्तमान घटनाक्रम
- समाचार एवं सफलता की कहानियां
- भारत में हमारी उपस्थिति

परिवर्तन

जे. के. ट्रस्ट ग्राम विकास योजना

अप्रैल 2013, संस्करण-2

डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चल-पशु-चिकित्सा इकाई "गोवर्धन" का शुभारंभ

चल–पशु–चिकित्सा इकाई 'गोवर्धन' का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री, डॉ. रमन सिंह, छत्तीसगढ़ शासन

कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए डॉ. श्याम झंवर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जे. के. ट्रस्ट ग्राम विकास योजना

चल पशु चिकित्सा इकाई 'गोवर्धन' का शुभारंभ छत्तीसगढ़ राज्य के महासमुन्द जिले के पिथौरा विकासखण्ड में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में श्री ननकीराम कंवर, गृहमंत्री, श्री बृजमोहन अग्रवाल, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री, श्री चन्द्रशेखर साहू, मंत्री कृषि, पशुपालन, मछलीपालन एंव श्रम विभाग एवं श्री चंदूलाल साहू, सांसद, महासमुंद ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम में 15000 से भी अधिक किसानों ने हिस्सा लिया, जिसमें एक बड़ा वर्ग महिलाओं का भी शामिल था । 'गोवर्धन' चल–पशु– चिकित्सा इकाई द्वारा किसानों की सुविधा के लिये पशु चिकित्सा संबंधित सेवाएं टोल–फ्री नंबर के माध्यम से प्रदान की जा रही हैं।

राज्य के महासमुंद एवं रायगढ़ जिले में 30 एकीकृत पशुधन विकास केंद्रों के माध्यम से 240 गांवों के 24000 किसानों को पशु चिकित्सा संबंधित सेवाएं प्रदान की जाऐंगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निम्न महत्वपूर्ण सुविधाओं का शुभारंभ किया गया –

1) किसानों को घर पहुंच पशुचिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने हेतु तीन चल पशु चिकित्सा इकाई 'गोवर्धन' ।

2) 30 नवीन एकीकृत पशुधन विकास केंद्र।

3) जे.के. ट्रस्ट ग्राम विकास योजना– छत्तीसगढ़ की समाचार पत्रिका "परिवर्तन" का विमोचन।

अपने भाषण में कार्यक्रम के मुख्य–अतिथि माननीय मुख्यमंत्री ने जे. के. ट्रस्ट के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह पशु–नस्ल सुधार कार्यक्रम किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को सुधार करने में महत्वपूर्ण प्रमाणित हो रहा है।

बुद्धिमता की बात
प्रौद्योगिकी

मुझे इस बात का गर्व है और मैं पूर्ण विश्वास के साथ अपने आधारभूत सहयोगियों को यह कहना चाहता हूँ कि प्रौद्योगिकी ही एक ऐसा सशक्त माध्यम है जिसके द्वारा गरीब किसानों की जिंदगी में बदलाव लाया जा सकता है। प्रारंभिक स्थिति में देखें तो चल पशु चिकित्सा इकाई "गोवर्धन" और एक अन्य योजना, "कॉल–सेंटर" जैसे तकनीकी उपायों के माध्यम से भी कठिन लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। किसी ने सही कहा है कि प्रौद्योगिकी की कोई सीमा नहीं है एवं इसके माध्यम से दुलर्भ क्षेत्रों में बेहतरीन प्रतिपूर्ति के साथ पहुंचा जा सकता है।

डॉ. श्याम झंवर
–मुख्य कार्यपालन अधिकारी

मिशन ग्रास रूट लेवल मीटिंग–द्वितीय

मिशन ग्रास रूट लेवल मीटिंग–द्वितीय उड़ीसा जिले के कोरापुट, गंजम, कालाहांड़ी, नबरंगपुर में माह फरवरी, 2013 के पहले एवं दूसरे सप्ताह में आयोजित की गई। यह बैठक श्री अरूण उपाध्याय, राज्य परियोजना अधिकारी के साथ उप–राज्य–परियोजना अधिकारी, सहायक-परियोजना अधिकारी एवं मॉनिटरिंग आफिसर्स के नेतृत्व में सम्पन्न हुई । बैठक के दौरान राज्य–परियोजना अधिकारी गोपालों से सम्बोधित हुए एवं बहुत से तकनीकी पहलुओं जैसे कृत्रिम गर्भाधान की उच्च तकनीक एवं प्रजनन नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा लक्ष्य के विरूद्ध कृत्रिम गर्भाधान का निष्पादन, कृत्रिम गर्भाधान का परीक्षण, समय पर तरल नाईट्रोजन एवं अतिहिमीकृत वीर्य की आपूर्ति, कृत्रिम गर्भाधान उपकरण एवं उनका रखरखाव, मिनरल मिक्चर एवं हराचारा बीज की आपूर्ति जैसे अनेक विषयों पर चर्चा की गई।

विस्तार बैठकों के संबंध में गोपालों की प्रतिक्रिया ली गई एवं कृत्रिम गर्भाधान एवं उससे होने वाले लाभ के संबंध में लोगों में जागरूकता लाने हेतु बनाई गई फिल्म भी गोपालों को दिखाई गई।

कार्यक्रम के जरिए गोपालों को कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्याओं का समाधान जानने का मौका मिला। इस दौरान प्रत्येक केंद्र की उपलब्धियों के अनुसार सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले गोपालों को पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम के आशाजनक परिणामों को देखते हुए यह कार्यक्रम तीन महीने के अंतराल में आयोजित किया जा रहा है।

MGRLC-II at Koraput

MGRLC-II at Ganjam, Seen from left are APM, SPM and Nodal Officer, NPCBB

MGRLC-II at Nabarangpur

MGRLC-II in Kalahandi

प्रधान कार्यालय थाणे में 15–18 मार्च, 2013 में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के मानिटरिंग एवं इवाल्यूऐशन, डाक्यूमेंटेशन एवं एमआईएस को–आर्डिनेटर विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह कार्यशाला डॉ. बी.आर पाटिल, सलाहकार एवं डॉ. मारिमुथ्यू स्वामीनाथन द्वारा आयोजित की गई एवं इसका निर्देशन श्री श्रीकांत देशपांडे, क्षेत्रीय निदेशक, दक्षिण पश्चिम क्षेत्र द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उददेश्य विभागीय जानकारियों को समझने एवं आपसी तालमेल सुनिश्चित करने हेतु रखा गया था । इसके अंतर्गत संस्था के आईएलडी सिस्टम एवं उसके डाटाबेस की सहायता से तैयार की जाने वाली प्रोग्रेस रिपोर्ट, डाटा एंट्री की निश्चित समयावधि की आवश्यकता, आईएलडी सिस्टम से विभिन्न रिपोर्टस की उपलब्धता एवं उन्हें तैयार करने की प्रक्रिया को दर्शाना, उपलब्ध डाटा की मदद से विभिन्न ग्राफ एवं चार्ट आदि के जरिए परियोजना के विकास कार्यों की प्रगति को दर्शाना, पिछड़े हुए केंद्रों की पहिचान करना और उनको सुचारू रूप से संचालित करने के लिए योजना तैयार करके उसका क्रियान्वयन करना आदि से अवगत कराना भी था। इनके अतिरिक्त केस स्टडी, सफलता की कहानी एवं प्रभावपूर्ण अध्ययन हेतु लेखनशैली बढ़ाने हेतु विस्तृत चर्चा की गई।

''डेयरी पशुओं में दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि–संभावना एवं चुनौतियॉं'' विषय पर सेमिनार

डॉ. श्याम झंवर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जे. के. ट्रस्ट व्याख्यान देते हुए

19 एवं 20 फरवरी , 2013 को जयपुर में 'डेयरी पशुओं में दुग्ध उत्पादन क्षमता में बढ़ोत्तरी– 'संभावना एवं चुनौतियॉं' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. श्याम झंवर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जे. के. ट्रस्ट, अतिथि–व्याख्याता के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने इस अवसर पर देशी गाय एवं भैसों में दुग्ध की मात्रा में वृद्धि के लिए प्रजनन नीतियों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री अशोक गहलोत, माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान द्वारा किया गया।

प्रतिनिधियों का समूह

कार्यक्रम में श्री हरजी राम बुरडक, मंत्री–कृषि एवं पशुपालन विभाग, श्री विनोद कुमार लीलावली, राज्य मंत्री, कृषि एवं पशुपालन विभाग,श्री बीजेन्द्र सिंह सूपा, अध्यक्ष, राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड, ने शामिल होकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

शिवपुर जिले में गणतंत्र दिवस के असवसर पर हमारे कार्यो की सराहना

J. K. Trust-GVY received appreciation certificate by left to right in photo Mr. Brij Sheopur, Mr. Gyaneshwar B. Patil, Collector & Mr. S. P. Verma, CEO, Zilla Panchayat with Superintendent Police, President of Zilla Panchayat, President, Nagar Palika

कार्यालय कलेक्टर जिला-श्योपुर (म.प्र.)

प्रशस्ति-पत्र

J. K. Trust-GVY received appreciation certificate Sheopur Collectorate on auspicious occasion of Republic Day of year 2013 for providing best veterinary services through 10 ILD centers in rural areas of Sheopur district under BRGF project

वर्ष 2013 में जिलाधिकारी, शिवपुर जिला, ने 'बैकवर्ड रीजन ग्रांट फंड के अतंर्गत' हमारे 10 एकीकृत–पशुधन–विकास केन्द्रो के माध्यम से शिवपुर जिला के ग्रामीण क्षेंत्रों के पशु पालकों को दी जाने वाली सेवाओं को सर्वोत्तम पशु–सेवाएँ मानते हुये 'जे.के. ट्रस्ट' संस्था की 'जे.के. ट्रस्ट ग्राम विकास योजना' कार्यक्रम को एक प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की ।

मुख्य कार्य पालन अधिकारी, अध्यक्ष जिला परिषद एवं नगर पालिका, जिला–शिवपुर की उपस्थिति में विधायक श्री ब्रजराज सिंह एवं जिलाधिकारी, श्री ज्ञानेंद्र बी. पाटिल द्वारा यह पुरूस्कार प्रदान किया गया । हमारे कार्यक्रम द्वारा इस जनपद में अब तक 877 संकर/उन्नत नस्ल के वत्स उत्पन्न करके जनवरी 2013 तक संकर/उन्नत नस्ल के वत्सों के कुल टारगेट के विरुद्ध 189 % टारगेट प्राप्त किये जा चुके हैं ।

रीवा जिले में पशु रैली का आयोजन

रीवा जिले के सिरमौर विकासखंड के पशुधन विकास केंद्र, गधाई में कलेक्टर एवं उप –संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएँ, की उपस्थिति में पशु रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान श्री शिवनारायण रूपला, कलेक्टर, श्री विजय दत्ता ,आईएएस, अतिरिक्त कलेक्टर, श्री राजेश पांडेय, उपाध्यक्ष, गौ संवर्धन बोर्ड, डॉ. वी. डी. सिंह, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ , जिला रीवा मुख्य रूप से मौजूद थे।

उन्होंने कार्यों की सराहना की एवं सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में सफलता पूर्वक संचालित किए जा रहे कार्यों के प्रति अपनी संतुष्टि जताई। स्थानीय मीडिया द्वारा भी पशुधन विकास केन्द्रों के कार्यों की सराहना की गई एवं आयोजित कार्यक्रम की गतिविधियों को अपने समाचार पत्रों में उचित स्थान दिया ।

'मिशन ग्रास रूट लेवल कांटेक्ट मीटिंग', बोडेली जिले के पावीजेतपुर एवं सनखेड़ा विकासखंड में 26 फरवरी 2013 में आयोजित की गई। इस अवसर पर निम्नलिखित प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

- डॉ. कलारिया, परियोजना अधिकारी, जे. के. ट्रस्ट
- श्री जे. एम. पटेल, सहायक परियोजना अधिकारी, जे. के. ट्रस्ट
- श्रीमति सुहाग जानी, प्रशिक्षक, दीपक फाउन्डेशन
- श्री विष्णु भरबाड, डीएमओ, जे. के. ट्रस्ट
- श्री हरीश पटेल, ग्रामीण विकास अधिकारी, जे. के. ट्रस्ट
- डॉ. विनु तादवी, सहायक ग्रामीण विकास अधिकारी, जे. के. ट्रस्ट

बैठक के दौरान पावीजेतपुर एवं सनखेड़ा विकासखंड के 40 गोपालों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ. कलारिया द्वारा पशुपालन एवं उनके रखरखाव से संबंधित एक प्रजेंटेशन भी प्रस्तुत किया गया।

स्वयं–सहायता समूहों की 'क्षमत–वृध्दि' हेतु संस्था की लेडी–गोपालों को 'दीपक फाउन्डेशन की प्रशिक्षिका श्रीमती सुहाग जानी द्वारा प्रदत्त 'प्रेजेन्टेशन' का अवसर

'सेल्फ सस्टेनेबल सेन्टर' अवधारणा पर गोपालों की बैठक

दिसंबर 2012 में आंध्रप्रदेश के 8 जिलों में 251 गोपालों को एकत्रित कर एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई, जिसमें परियोजना का कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात् एकीकृत पशुधन विकास केंद्रों को सेल्फ सस्टेनेबल आधार पर संचालित रखने हेतु विस्तृत चर्चा की गई।

इस बैठक का आयोजन निजामाबाद और अजिलाबाद जिलों के गोपालों के लिए 14 दिसंबर '12 को अदिलाबाद जिले के इचोड़ा ग्राम में किया गया। दूसरी बैठक हैदराबाद में 15 दिसंबर '12 को खम्मम, मेड़क और महबूबनगर जिलों के गोपालों हेतु रखा गया एवं तृतीय बैठक 16 दिसंबर '12 को कडप्पा जिले में रखा गया। सभी गोपालों को इसमें आमंत्रित किया गया।

इन तीनों बैठकों में क्षेत्रीय परियोजना प्रबंधक, प्रभारी उप राज्य परियोजना प्रबंधक एवं राज्य परियोजना अधिकारी द्वारा गोपालों को सेल्फ सस्टेनेबल आधार पर संचालित पशुधन–विकास केंद्रों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई एवं परियोजना के कार्यकाल के समाप्त होने के बाद भी इन केंद्रों के संचालन की आवश्यकता पर चर्चा की गई। सभी गोपालों ने सक्रियता से अपनी भागीदारी दिखाई एवं संस्था द्वारा किए गए इस कार्य की प्रशंसा की और इस परियोजना को सहर्ष स्वीकार किया।

मिशन ग्रास रूट लेवल कान्टेक्ट मीटिंग

प्रथम चरण में आयोजित 'मिशन ग्रास रूट लेवल कान्टेक्ट' कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए द्वितीय चरण में गोपालों के लिए बैठक का आयोजन किया गया । यह बैठक फरवरी 2013 में आंध्रप्रदेश में आयोजित की गई। यह मीटिंग आदिलाबाद, निजामाबाद, मेडक, कडप्पा, ओंगेले और नैल्लूर जिले के गोपालों के लिए आयोजित की गई थी।

मिशन ग्रास रूट लेवल कान्टेक्ट मीटिंग हमारे जमीनी–स्तर पर कार्यरत गोपालों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इस मंच के जरिए जहां गोपालों के कार्य से संबंधित ज्ञान में वृद्धि का प्रयास किया जाता है, वहीं उनके कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं का समाधान कर कार्य को नई गति प्रदान करने की कोशिश की जाती है। इस मीटिंग डॉ. पी. वी. के. पाणीकर, क्षेत्रीय परियोजना प्रबंधक के साथ प्रभारी, उप–राज्य–परियोजना प्रबंधक, श्री पी. वी. शर्मा, एवं डॉ. गोपाल रेड्डी, परियोजना प्रबंधक मौजूद थे।

इस बैठक में गोपालों को तकनीकी विधाओं और कृत्रिम गर्भाधान में नई आधुनिकताओं, बांझपन एवं उनसे संबंधित सभी विषयों एवं सेल्फ सस्टेनेबल आधार पर संचालित केंद्रों को लोकप्रिय बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान सभी गोपालों ने सकियता से भागीदारी की एवं अपनी महत्वपूर्ण सलाहें दी। सेल्फ सस्टेनेबल आधार पर संचालित केंद्रों को बढ़ावा देने की बात पर जोर देते हुए इन केंद्रों द्वारा मिनरल मिक्सचर, दवाईयां, पशु खाद्य अनुपूरक एवं हरा चारा बीज आदि भी प्रदान किए जाने को महत्वपूर्ण बताया।

यह प्रौद्योगिकी ही है, जिसकी वजह से सभी कार्य आसानी से सम्पन्न होते हैं और यही कारक हैं जिसकी वजह से बाजार , उद्योग, कंपनी और उत्पादकों की संख्या मे अत्यधिक वृद्धि होती है। उचित तकनीक वही है जिससे जीवन सहज हो सके।

कॉल–सेंटर –एक अभिनव परिकल्पना

कॉल–सेंटर जैसी तकनीकी क्रियाओं की पर्याप्त उपब्धता के द्वारा नागरिकों के जीवन को सहज बनाया जाता है। तकनीकी सहयोग के बिना हमारी सहायता एवं समस्याओं का निदान कर पाना मुश्किल हैं जैसे कि बिल भुगतान समस्या का निराकरण। उपभोक्ताओं को संतुष्ट करने में कॉल सेंटर की एक ऐसी महत्वपूर्ण छवि बन गई है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। वास्तव में कॉल–सेंटर विश्व के उद्योगों को जानने एवं पहचानने के लिए है, परन्तु इसका उपयोग अन्य विभिन्न कार्यों के लिए जैसे कि उपभोक्तओं की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भी किया जा रहा है।

कॉल–सेंटर हमारी जिंदगी का अब एक ऐसा महत्वपूर्ण भाग है, जिसकी सहायता से समस्या का निदान किया जा सकता है। कॉल-सेंटर का उपयोग विभिन्न कार्यो जैसे सर्विस सेंटर, सेल्स सेंटर, कांटेक्ट सेंटर इत्यादि में किया जाता है। वस्तुतः इसका मौलिक कार्य दूरभाष के द्वारा किसी संस्था के विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति करना है।

कॉल-सेंटर बहुत सारे उपभोक्ताओं की जरूरतों को तथा वर्तमान परिस्थितियों को पहचान कर उन्हें आश्वस्त करता है। इसके लिए संस्था आर्थिक रूप से कार्यलागत की उपलब्धता को दर्शाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आश्वासन-पूर्ण किया गया कार्य वित्तीय लाभ को बढ़ावा देता है, जो कि व्यवसाय के लिए काफी सहायक होता है। इनमें से कुछ मल्टीपल सेटअप की अपेक्षा सिंगल लोकेशन को अधिक महत्व देते है और आधुनिक युग में एकल प्रणाली के तहत कार्य करना व्यवसाय का एक बहुत ही महत्वपूर्ण भाग माना गया है।

इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अंबाला में एक कॉल-सेंटर प्रारंभ किया गया, जिसकी सहायता से एक कॉल द्वारा गोपाल, किसानों को उनके घर पहुंच सेवाएं प्रदान करेंगे। कॉल-सेंटर की स्थापना श्री राजेश पटेल के नेतृत्व में हरियाणा राज्य के जे.के. ट्रस्ट की टीम के सहयोग से सुनियोजित तरीके एवं समर्पित भावना के साथ की गई हैं। दूरदर्शी लक्ष्य के लिए जाने जानेवाले डॉ. श्याम झंवर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जे. के. ट्रस्ट एवं इस कार्य को आगे बढ़ाने वाले हमारे अध्यक्ष डॉ. विजयपत सिंघानिया ने भारत देश में सुदूर ग्रामीण किसानों के पशुओं में दुग्ध उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य को सफल बनाने हेतु कॉल–सेंटर की स्थापना का निर्णय लिया था । पशुधन प्रसार एवं आम नागरिकों की सुविधाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा।

स्पेशल एस.जी.एस.वाय. परियोजना के अंतर्गत प्रजनन सेवा द्वारा सपने हुए साकार

राज्य – बिहार

किसान का नाम – गैबी मांझी

जिला – भागलपुर

वि.खंड – शहाकुंड

ग्राम – बडहाब

बीपीएल नंबर – 959 / 145

बडहाब ग्राम में गैबी मांझी एक अत्यंत गरीब किसान था । उसके पास एक देशी गाय थी जिसकी दुग्ध उत्पादकता प्रतिदिन 2–3 लीटर थी। जब उन्होंने जे. के. ट्रस्ट द्वारा कृत्रिम गर्भाधान तकनीक को जाना तो उन्होंने इस तकनीक को सहजता से स्वीकार किया और साजौर केंद्र के गोपाल द्वारा एचएफ वीर्य का उपयोग कर अपनी गाय में कृत्रिम गर्भाधान कराया। नौ महीने पश्चात देशी गाय ने एक मादा संकरित बछिया को जन्म दिया, जिसे 19 महीने के बाद पुनः इस पद्धति के उपयोग से गर्भित किया गया, जिससे एक मादा बछिया का जन्म हुआ। वर्तमान में एचएफ संकरित गाय 10–12 लीटर दूध दे रही है और हाल ही में देशी गाय ने एक और संकरित मादा बछीया को जन्म दिया हैं । इन सभी की दुग्ध उत्पादकता रोजाना 15 लीटर से अधिक है, इस दूध की बिक्री से किसान लगभग 450 रू. प्रतिदिन अर्जित कर रहा है। वर्तमान में एक अन्य मादा बछिया पिछले महीने गर्भित अवस्था में पाई गई है। परिणामस्वरूप किसान के पास वर्तमान में 3 संकरित और एक देशी गाय है। किसान की आय बढ़ने पर वह अपने लिए मकान निर्माण करा रहा है और अपने बच्चे को अच्छे स्कूल में शिक्षा प्रदान करवा रहा है।

गुजरात

सफलता की राह... झरी केंद्र की महिला गोपाल

नायका सीताबेन कांतिलाल, नानीखांडी की निवासी है, जिसके पास जे.के. ट्रस्ट से जुड़ने से पहले आय का कोई स्त्रोत नहीं था। उन्होंने जे.के. ट्रस्ट से जुड़कर सफलता पूर्वक प्रशिक्षण लिया। इनकी नियुक्ति 16 सिंतबर 2010 को पावीजेतपुर विकासखंड के झरी केंद्र में की गई। यह केंद्र उनके गांव से 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं ।

प्रारम्भ में उन्हें मोटरवाहन की अनुपलब्धता के कारण प्रतिदिन 3 कि.मी. चलकर केंद्र पहुंचना होता था। प्रारंभ में उन्हें लोगों को कृत्रिम गर्भाधान तकनीक के संबंध में जागरूक करने और घर–घर जाकर उन्हें इस संबंध में जानकारी प्रदान कराने में बहुत सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वे अपने भ्रमण के दौरान बीए–3 कन्टेनर हाथ में लेकर चला करती थी। उन्होंने अन्य गांवों जैसे बहाबर, झरी, कलीकोइ, जो कि ऐसी जगह स्थित थे जिनकी मुख्य सड़क से दूरी 3 किमी होने के साथ काफी कठिनाईपूर्ण मार्ग

था। उनके इस निरंतर प्रयास और पशुकल्याण हेतु समर्पित कार्य को लोगों ने पसंद किया और पशुधन की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए उन्हें आंमत्रित भी किया।

उनके द्वारा अब तक 1075 कृत्रिम गर्भाधान किए जा चुके हैं और 207 बछड़े उत्पन्न हो चुके हैं। वह 4500 रुपए प्रतिमाह आय अर्जित कर रही हैं। वर्तमान में वह अपना खुद का मकान बनवा रही हैं और लगभग 6000 रुपए इस कार्य में खर्च भी कर चुकी हैं। वह अपने रोजमर्रा के खर्चे जैसे सब्जियां, दूध एवं अन्य घरेलू खर्चों के साथ मजदूरों का भुगतान भी प्रतिदिन कर रही हैं। शेष समय में अतिरिक्त आय हेतु वह टेलरिंग का कार्य भी कर रही हैं और अन्य गतिविधियों के लिए महिला मंडल का संचालन भी वह अपने गांव में कर रही हैं।

ग्राम–पानी के ठाकुर चंपाबेन भागवतसिंह की गाय सात बार प्रयास करने के पश्चात् भी गर्भित नहीं हो रही थी और वह बार–बार गर्मी में आ रही थी । अतंतः सीताबेन को बुलाया गया और उनके द्वारा पहले ही प्रयास में चंपाबेन की गाय गर्भित हो गई और सफलता पूर्वक एक स्वस्थ बछड़े को जन्म दिया।

घर पहुंच कृमिनाशक दवाइयों का सेवन एवं प्राथमिक उपचार की सेवाओं द्वारा पशुपालकों को बहुत अधिक लाभ प्राप्त हुआ हैं। लुगोल्स चिकित्सा के द्वारा बहुत से पशुओं में बांझपन का बेहतर उपचार किया गया हैं। सीताबेन जे. के. ट्रस्ट के साथ कार्य करके काफी खुश हैं और भविष्य में स्व पोशित संचालित केंद्र के संचालन हेतु भी तैयार हैं।

हरियाणा

मगरूदिदन, उम्र 22 वर्ष, जो कि 12वीं कक्षा तक शिक्षित हैं, जिसका विवाह काफी कम उम्र में कर दिया गया था। वह इस बात को सहर्ष स्वीकार करता है कि वह एक कृषि मजदूर है जो अपने पिता के रोजाना के कार्यों में मदद करता है। उसकी जिंदगी में पहला बदलाव तब आया जब जे. के. ग्राम विकास योजना ने कृत्रिम गर्भाधान पद्धति द्वारा उनके गांव मे दुग्ध उत्पादकता को बढ़ाने हेतु एक बैठक रखी थी। इस बैठक में उन्होने हिस्सा लिया तो उन्होंने गोपाल प्रशिक्षण के बारे में जाना और इससे जुड़ने के लिए अपनी इच्छा जाहिर की। शुरुआत में उनके पिता इस बात के सख्त खिलाफ थे परन्तु जे. के. ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा समझाने पर उनकी मानसिकता में बदलाव आया और उन्होंने अपने बेटे को गोपाल प्रशिक्षयण हेतु नामांकन के लिए स्वीकृति दे दी। जब मगरूदिदन गोपाल नगर ट्रेनिंग सेंटर, छत्तीसगढ़ में आया तो वह इससे बहुत ही अनभिज्ञ था और वह अपनी मूल लेखन शैली पूरी तरह भूला चुका था। उन्होंने धीरे–धीरे अपनी लेखन एवं पाठन शैली को भी विकसित किया। उन्होंने इन सब के साथ कृत्रिम गर्भाधान पद्धति में भी अपनी रूची दिखाया। निरंतर काउंसलिंग और उत्प्रेरण के माध्यम से उन्होंने अपना खोया हुआ विश्वास वापस पा लिया। कोर्स समयावधि के पश्चात् उन्हें उनके जिले के महु गांव के केंद्र में नियुक्त किया गया। शुरुआत में लोगों को कृत्रिम गर्भाधान पद्धति को समझाने में उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, परन्तु उन्होंने निरंतर किसानों की बैठकें आयोजित की, जिसमें जे. के. ट्रस्ट के कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा ग्रामीण बुजुर्गों को समझाने की कोशिश की गई एंव बाताया गया कि किस प्रकार वह कृत्रिम गर्भाधान द्वारा अपनी आय बढ़ा सकते है, और जो कि उनके लिए एक निरंतर आय का स्त्रोत साबित हो सकता है।

वे 2009 में केंद्र में नियुक्त हुए। उस समय कृत्रिम गर्भाधान की संख्या की गणना अंगुलियों पर की जा सकती थी, किंतु आपसी सामंजस्य और पूर्ण भागीदारी के कारण अब तक इनकी संख्या बढ़कर 2869 हो गई है और मई 2010 से फरवरी 2013 तक 856 वत्स उत्पादित किए जा चुके है। ये सभी बच्चे उच्च गुणवत्ता वाले है। रुपयों की बचत एवं विश्वास अर्जित करने के साथ वह अपनी जीवन शैली में भी बदलाव लाना चाहता है। वर्तमान में वह अपने एक बेटे को इंजीनियरिंग एवं दूसरे को कृत्रिम गर्भाधान का प्रशिक्षण दिलवा रहा है । अभी–अभी उनके बेटे ने हरिड में एक सेंटर की स्थापना की है, जो कि उसके परिवार के लिए एक अन्य आय का स्त्रोत बन गया है। आज जे. के. ट्रस्ट की सहायता से उसका परिवार वित्तीय रूप से सक्षम है। वह इस बात का पूरा श्रेय जे. के. ट्रस्ट को देना चाहता है कि जीविकोउपार्जन के साथ उसने पद–प्रतिष्ठा और धनोर्पाजन किया है। एक समय था जब मगरूदिदन अपने दिन सोच–सोचकर बिता दिया करता था, किंतु आज उसके पास बेकार सोचने में अपने समय बरबाद करने का जरा भी अवकाश नहीं है, क्योंकि वह अपने कार्य में पूरी तरह समर्पित है।

हरियाणा

गुलजारी लाल यादव, स्व–प्रेरित इंसान होने के साथ जिम्मेदार पति एवं पिता हैं, परन्तु तीन वर्ष पूर्व वह आज की तरह खुशनुमा जीवन नहीं जी रहा था। वह बेरोजगार था और उसके परिवार में 5 सदस्य थे, जिनका उत्तर दायित्व उसपर था। एक बेहतरीन शिक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा एवं एक उज्जवल भविष्य के लिए पैसों की आवश्यकता थी, जिसके लिए वह असक्षम था। उसने नौकरी पाने के लिए कठिन परिश्रम किया, परन्तु कोई भी नौकरी उसके कठिन परिश्रम और ईमानदारी के अनुकूल नहीं थी। एक दिन अचानक एक विज्ञापन दिखाई दिया जिसमें एक अलग कार्य हेतु लोगों से प्रस्ताव आमंत्रिम किए गए थे, जो कि उसकी प्रकृति के अनुरूप कार्य था। यह गुलजारी लाल की जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। पहले उसने सोचा कि यह अन्य ग्रामीण कार्यो की तरह घूम–घूम कर पैसा कमाने का कार्य है, परन्तु गोपाल नगर प्रशिक्षण केन्द्र, छत्तीसगढ़ में गोपाल प्रशिक्षण लेने के पश्चात् उसने इसके वास्तविक लाभ को पहचाना। वहां से लौटने के पश्चात् उन्हें हरियाणा राज्य के महेन्द्रगढ़ जिले के नारनाउल विकासखंड के डोहरकालन गांव में स्थापित केंद्र में नियुक्त किया गया।

उनका मानना है कि इस परियोजना के द्वारा एक स्वच्छ एवं स्थिर श्वेत क्रांति प्रारंभ होगी जिसके द्वारा किसानों की आर्थिक स्थिति को उन्नत किया जा सकेगा । वह तहेदिल से संस्था के कार्यों का अभिनंदन करते हुए कहता है कि इस कार्यक्रम ने न केवल उसे सफल बनाया बल्कि नया जीवन भी दिया। जिससे आज वह एक युवा बेरोजगार के बदले एक सफल आदमी के रूप में प्रसिद्ध है।

भारत में हमारी उपस्थिति

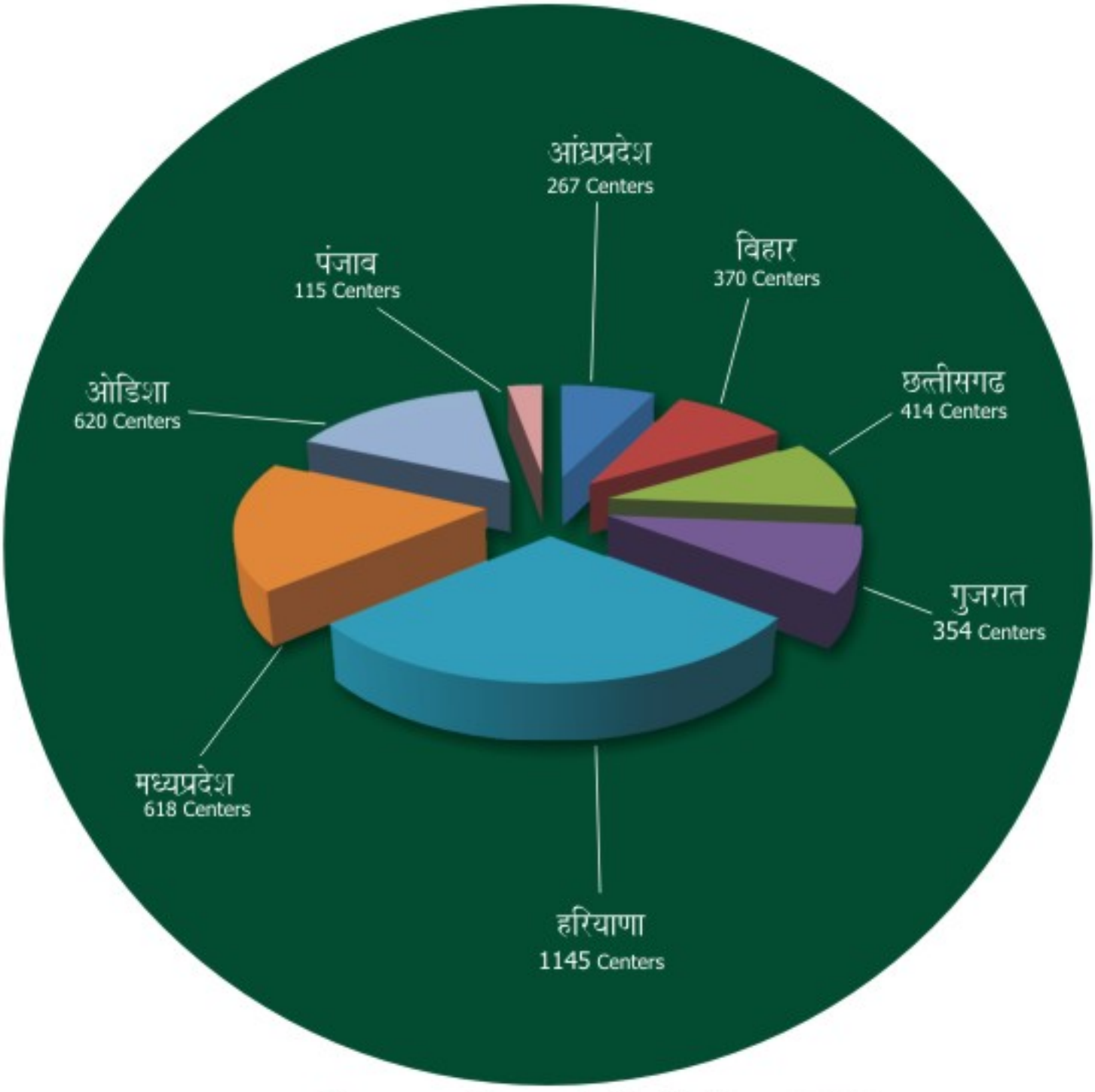

कुल समन्वित पशु-विकास केन्द्रों की संख्या 3903

(28 फ़रवरी 2013 तक की स्थितीनुसार)

प्रति:

परिवर्तन

द्वारा:

जे . के . ट्रस्ट ग्राम विकास योजना

पोखरण रोड नं.1 जे . के . ग्राम

थाण - 400606 (महाराष्ट्र), भारत

फोन: 91-22-4036 7000 फॅक्स: 91-22-2537 5840

ईमेल: jktgvy@jktrust.org, वेबसाइट: www.jktrust.org